**भारत सरकार**

**स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय**

**स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग**

**राज्य सभा**

**अतारांकित प्रश्न संख्या: 901**

**28 जुलाई, 2015 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर**

**सरकारी अस्पतालों में कैंसर के रोगियों के लिए चिकित्सीय देखभाल**

**901. श्री पॉल मनोज पांडियनः**

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि भारत में पुरूष ज्यादातर मुंह के कैंसर से जबकि महिलाएं अधिकतर स्तन कैंसर से ग्रस्त होती है;

(ख) क्या यह भी सच है कि पुरूषों के मामले में कैंसर से होने वाली मृत्यु का मुख्य कारण फेफड़ों का कैंसर और महिलाओं के मामले में मुख्य कारण स्तन कैंसर है;

(ग) क्या पुरूषों अैर महिलाओं दोनों की अधिकतर मृत्यु पेट के कैंसर से होती है;

(घ) क्या यह भी सच है कि मुंह के कैंसर के नए मामलों की दर्ज संख्या वर्ष 1990 में 55,480 से बढ़कर वर्ष 2013 में दोगुने से अधिक अर्थात 127,168 हो गई जो कि विश्व में सबसे अधिक थी; और

(ङ) यदि हां, तो सरकार द्वारा सरकारी अस्पतालों में कैंसर के रोगियों के लिए अति आवयश्यक चिकित्सीय देखभाल प्रदान करने के लिए क्या कदम उठाए गए है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री (श्री श्रीपाद येसो नाइक)

(क) जी हां। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) द्वारा प्रदान किए गए डाटा के अनुसार पुरूष मुंह के कैंसर के प्रति अत्यधिक प्रवण है और महिलाएं स्तन कैंसर के प्रति अत्यधिक प्रवण है।

(ख) आईसीएमआर द्वारा प्रदान किए गए डाटा के अनुसार पुरुषों में कैंसर की वजह से होने वाली सभी मौतों में से 14.7 प्रतिशत मौतें फेफड़ों के कैंसर की वजह से होती हैं और देश में पुरुषों की कैंसर से होने वाली मौतों के लिए यह सबसे बड़ा कारण है। महिलाओं में कैंसर से होने वाली सभी प्रकार की मौतों में 24.1 प्रतिशत मौतें गर्भाशय के कैंसर तथा 16.3 प्रतिशत मौतें स्तन कैंसर की वजह से होती हैं। अतः महिलाओं में होने वाली मौतों का दूसरा सबसे बड़ा कारण स्तन कैंसर है।

(ग) वर्ष 2014 के संबंध में उदर कैंसर (पुरूष और महिलाओं दोनों को मिलाकर) की वजह से होने वाली अनुमानित मौतों की संख्या शरीर में किसी भी अंग में होने वाले सभी प्रकार के कैंसर से होने वाली मौतों की 4.3 प्रतिशत बैठती है। पुरूषों और महिलाओं दोनों में उदर कैंसर मौत का 6वां प्रमुख कारण है।

(घ) भारत में मुंह के कैंसर के अनुमानित नए रोगी (नवीन) वर्ष 1990 के संबंध में 45191 और वर्ष 2013 के संबंध में 108076 हैं। भारतीय कैंसर रजिस्ट्रियों में पुरूषों और महिलाओं दोनों में मुंह के कैंसर की उच्च आयु समायोजित दर (एएआर) है और यह दुनिया में सबसे ज्यादा दरों में से है।

(ङ) केन्द्र सरकार कैसंर के निवारण, निदान और उपचार सहित स्वास्थ्य परिचर्या के उन्नयन के लिए राज्य सरकार के प्रयासों में सहायता प्रदान करती है। फिलहाल जिला स्तर तक कार्यकलाप करने हेतु राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के अंतर्गत क्रियान्वित किए जा रहे राष्ट्रीय कैंसर, मधुमेह, ह्रदवाहिका रोग और आघात निवारण और नियंत्रण कार्यक्रम (एनपीसीडीसीएस) में कैंसर निवारण, जांच और शीघ्र पहचान के संबंध में जागरूकता पैदा करना और उपचार के लिए किसी उपयुक्त संस्थान में रेफर करना शामिल है। इसका केन्द्र बिन्दु तीन क्षेत्रों अर्थात स्तन, गर्भाशय तथा मुंह के कैंसर पर है। राज्य सरकारों को क्रियान्वनय के लिए जांच संबंधी दिशा-निर्देश प्रदान किए गए हैं। हिस्टोपैथोलोजिकल बायोप्सी सहित अन्य विभिन्न जांचों द्वारा पुष्ट निदान करने के लिए संदिग्ध रोगियों को रेफर किया जाना चाहिए।

भारत सरकार ने वर्ष 2013-14 में राष्ट्रीय कैंसर, मधुमेह, ह्रदवाहिका रोग और आघात निवारण और नियंत्रण कार्यक्रम (एनपीसीडीसीएस) के अंतर्गत “कैंसर संबंधी तृतीयक परिचर्या” अनुमोदित की है। उपर्युक्त स्कीम के अंतर्गत भारत सरकार देश के विभिन्न भागों में 20 राज्य कैंसर संस्थान (एससीआई) और 50 तृतीयक परिचर्या केन्द्र (टीसीसीसी) स्थापित/गठित करने में सहायता प्रदान करेगी। निधियों की उपलब्धता और स्कीम के दिशा-निर्देशों के अनुसार पात्रता के अध्यधीन राज्य के शेयर सहित एससीआई के लिए अधिकतम सहायता 120 करोड़ रुपए तथा टीसीसीसी के लिए 45 करोड़ रुपए तक है।

सरकारी अस्पतालों में कैंसर का उपचार या तो निःशुल्क है अथवा रियायती दरों पर है। राज्य सरकार के स्वास्थ्य संस्थानों द्वारा कैंसर के निदान और उपचार के अलावा केन्द्र सरकार के संस्थान जैसे अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, सफदरजंग अस्पताल, डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़, जिपमेर, पुद्दुचेरी, चित्तरंजन राष्ट्रीय कैंसर संस्थान, कोलकाता, कैंसर के निदान और उपचार के लिए सुविधाएं प्रदान करते हैं।

प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना के अंतर्गत नए एम्स और अनेक अद्यतन किए गए संस्थानों के मामले में आँकोलोजी और इसके विभिन्न पहलुओं पर फोकस किया गया है। झज्जर (हरियाणा) में राष्ट्रीय कैंसर संस्थान की स्थापना और चित्तरंजन राष्ट्रीय कैंसर संस्थान, कोलकाता के दूसरे परिसर की स्थापना को भी अनुमोदन प्रदान कर दिया गया है।

गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले व्यक्तियों को राष्ट्रीय आरोग्य निधि के अंतर्गत वित्तीय सहायत उपलब्ध है। इसके अलावा, राष्ट्रीय आरोग्य निधि के अंतर्गत स्वास्थ्य मंत्री की कैंसर रोगी निधि (एचएमसीपीएफ) वर्ष 2009 में गठित की गई है जिसमें पूर्ववर्ती 27 क्षेत्रीय कैंसर केन्द्रों को आवर्ती निधियां प्रदान की जाती हैं ताकि गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले व्यक्तियों को 2 लाख रूपए तक की तत्काल वित्तीय सहायता उपलब्ध करवाई जा सके।

\*\*\*